नैनं की मोहे मार क़टारि

नैनं की मोहे मार क़टारि,
जाने कहाँ गयो अवध बिहारी ॥

क्रीट मुकुट पीताम्बर सोहे,
माथे पे सोहे बांके लत घुँघराले,
नैनं की मोहे मार क़टारि ॥

अधर रसीले नयन कटीले
नैना चलाये गयाो रसिक बिहारी
नैनं की मोहे मार क़टारि ॥

मोह दुखिया पे तरस ना आवे,
जादु सो डार गयाो धनुधारी,
नैनं की मोहे मार क़टारि,
जाने कहाँ गयाो अवध बिहारी.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/23912/title/Nainan-Ki-Mohe-Maar-Katari

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |